

storyweaver
Community

Level 3

बचिया जे अपन हँसी नै रोकि सकैत छलि

The Girl Who Could Not Stop Laughing

Original Publisher:
Pratham Books
Author:
Meera Ganapathi
Illustrator:
ROSH
Translator:
Gajendra Thakur



भ्रुमऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽभ्रामऽऽऽऽऽऽऽऽमब्राफबाहाहाऽऽऽ

वर्ग ४-बी मे ई भयंकर अबाज उठल। गुणडप्पन मास्टर साहैब, गणितक शिक्षक, कैँ ऐ बमक फुटबाक स्थानक पूरा-पूरी जानकारी छलन्हि ।

mmm**brrrpffftbahahahHAHAHAHAAH**
An explosive sound erupted across the 4 B classroom.

Gundappan Sir, the maths teacher, knew exactly where the bomb had exploded.

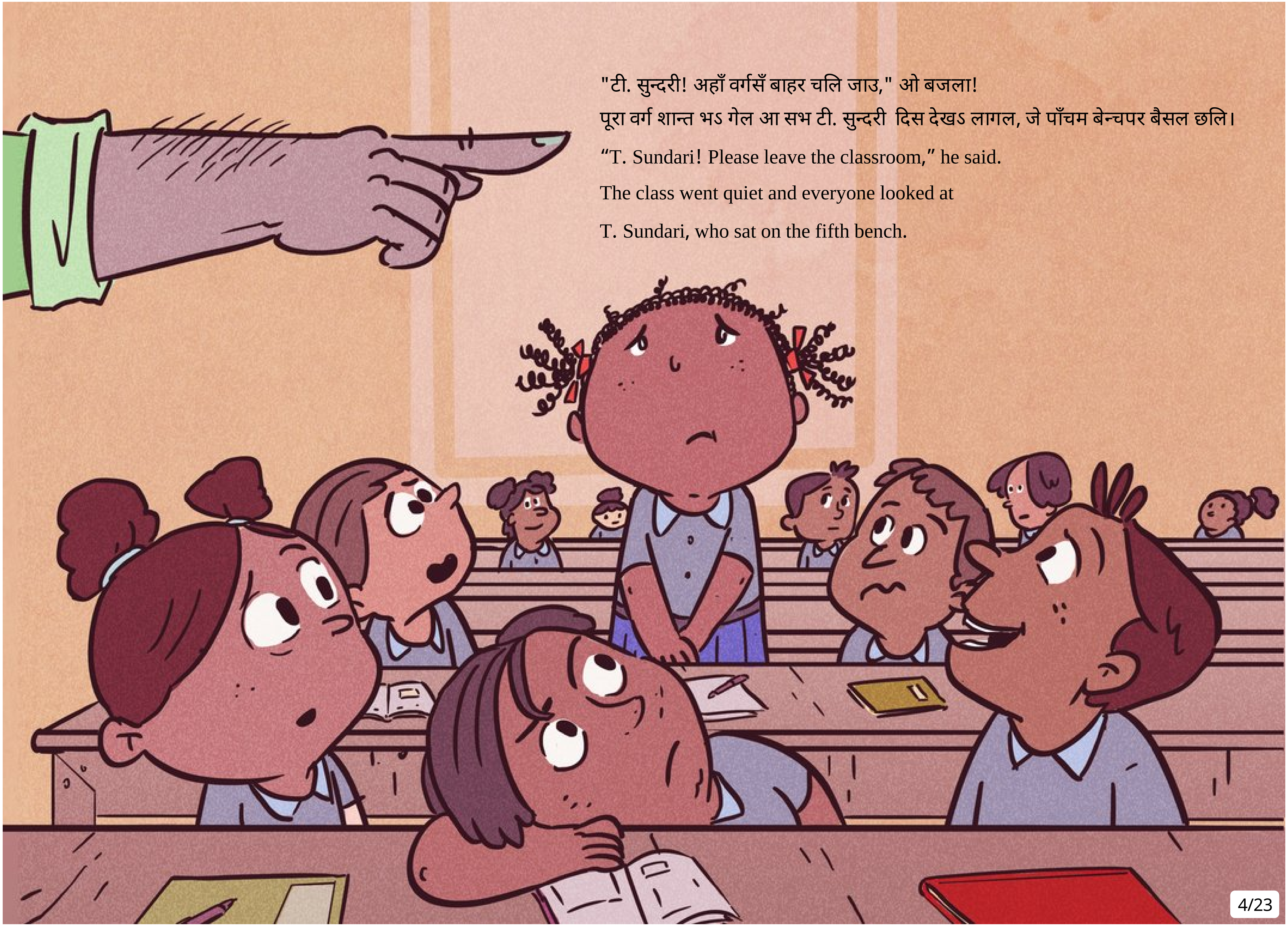
"टी. सुन्दरी! अहाँ वर्गसँ बाहर चलि जाउ," ओ बजला!

पूरा वर्ग शान्त भऽ गेल आ सभ टी. सुन्दरी दिस देखऽ लागल, जे पाँचम बेन्चपर बैसल छलि।

“T. Sundari! Please leave the classroom,” he said.

The class went quiet and everyone looked at

T. Sundari, who sat on the fifth bench.





"मुदा मास्टर साहैब! क्षमा श्रीमान्! हम हँसी रोकऽ चाहलौं, मुदा ई उनटे आर जोरसँ बहरा गेल!"

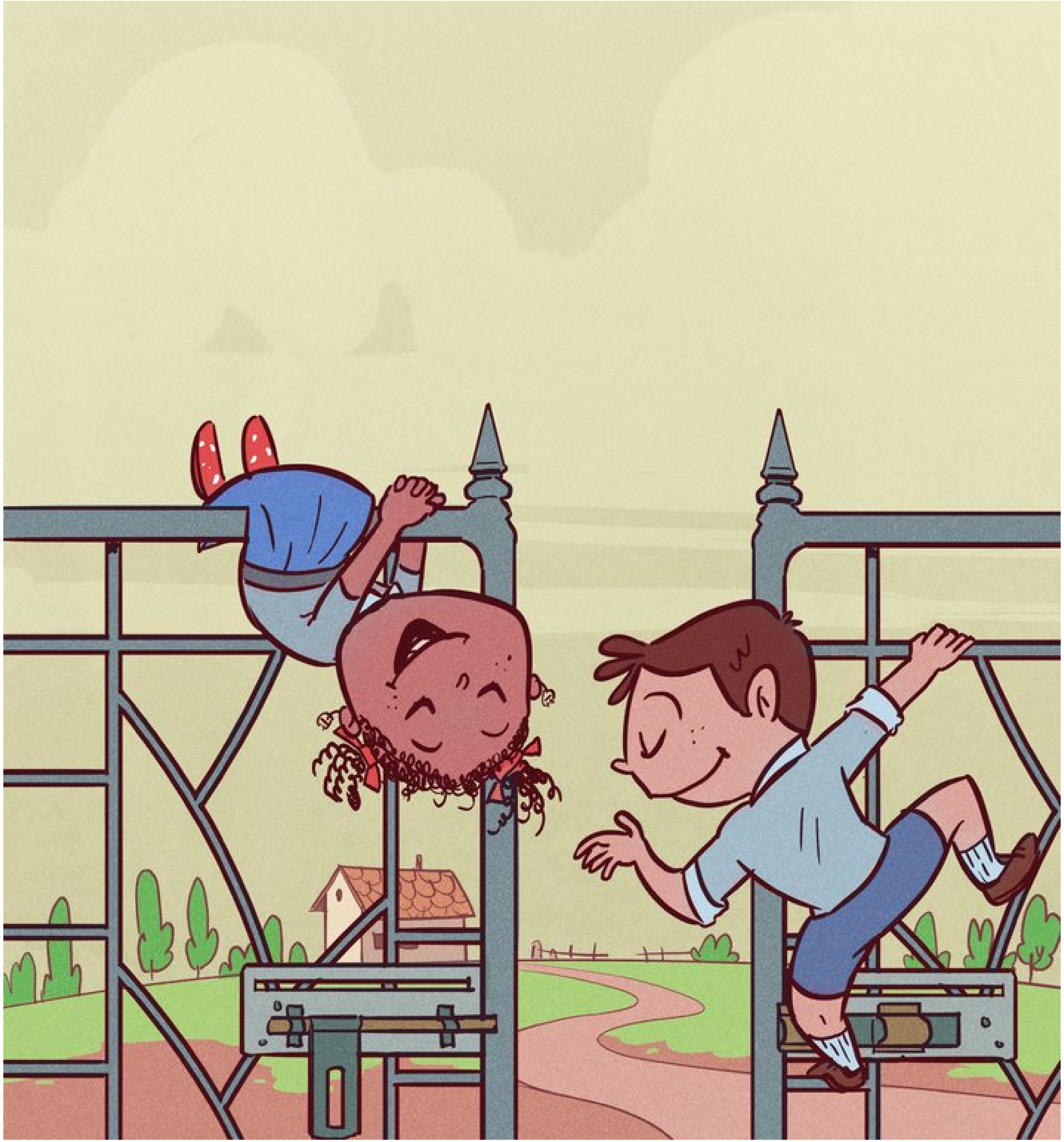
वर्ग ४ बी केर सभ छात्र सेहो जोर-जोरसँ हँसऽ लगलाह।

“But sir! Please sir! I tried to control my laughter but it burst out of me!”

Everyone in 4 B burst out laughing too.



टी. सुन्दरी बड़ी जोरसँ हँसलि. सभ चीज-बौस्तु ओकरा हँसा रहल छलै। T. Sundari laughed a lot.
She laughed for nearly everything.



जेना पछिला सप्ताह, एकटा ओकर वर्गक छात्र ओकरा ई हास्य-कणिका सुनेने छल:
प्रश्न: गणितक मास्टर किए सदिखन दुखी रहैत छथि?
उत्तर: किएक तँ हुनका ढेर रास प्रश्न बनाबऽ पड़ैत छन्हि।
टी. सुन्दरी अपन आँखि तरेड़ि इशारा केलक आ मोने-मोन किछु बाजबाक अभिनय केलक। आ तेँ जखन पूरा वर्ग गुण्डप्पन मास्टरसाहैबकेँ देखलक तँ हँसऽ लागै जाइ गेल।

For example, last week, a classmate told T. Sundari this joke:

Q: Why does Maths Sir always look sad?

A: Because he has to solve so many problems.

T. Sundari had narrowed her eyes and giggled. No wonder everyone laughed when they saw Gundappan Sir now.

सभ तरहक हास्य-कणिका लेल सभ तरहक हँसी रहै टी.सुन्दरी लग।

Every joke evoked a different reaction from T. Sundari.



कखनो काल एकटा आहाऽऽऽऽ हा

Sometimes a guffaw

AHAHAHAHA



फेर भीतरे-भीतर हँसी ... पेहेऽऽऽऽ हे

Sometimes a giggle

Peheheheheehhee



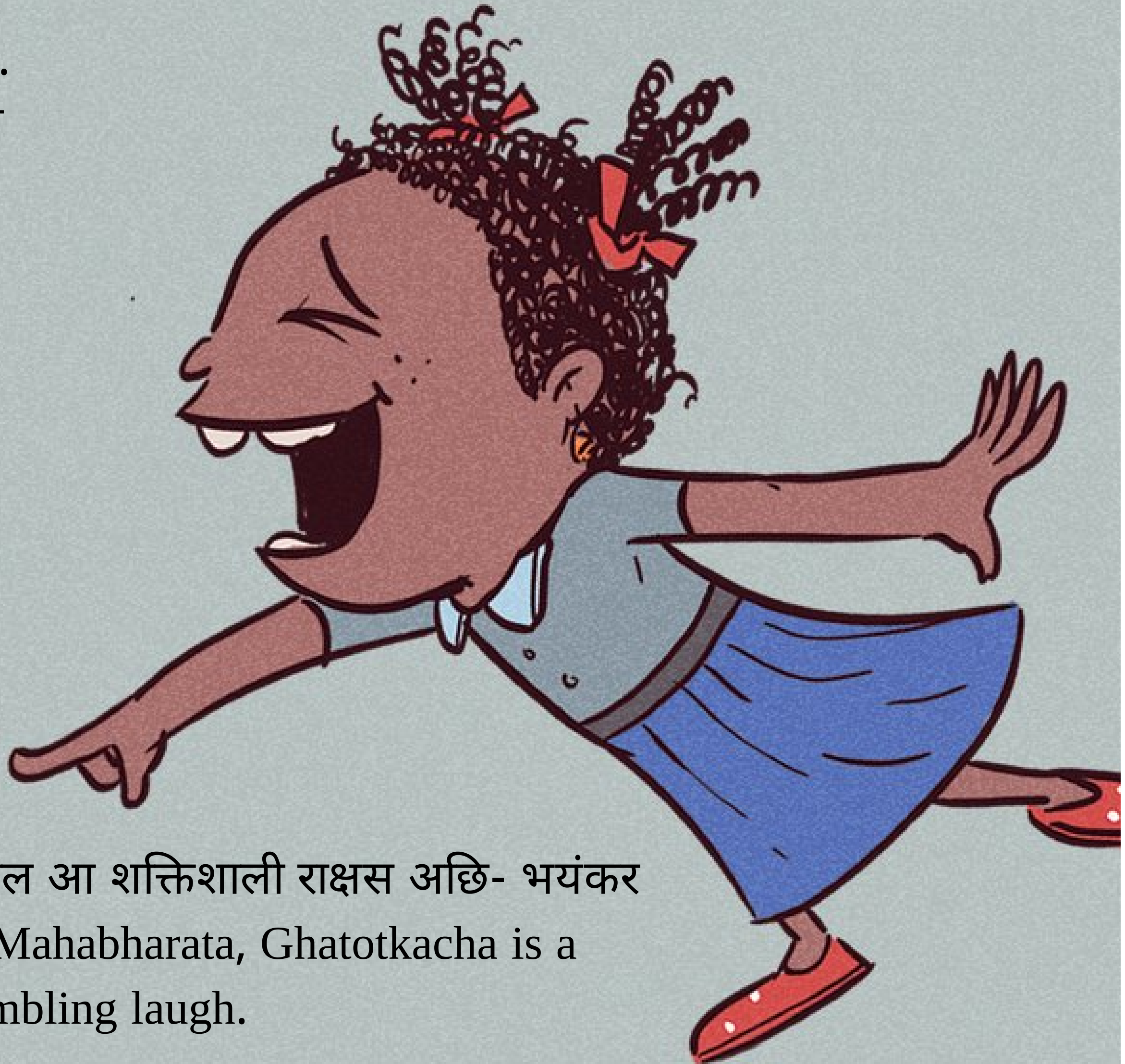
फेर एकटा आदरपूर्ण हँसी.. ट्रा ला ला हा हा

Sometimes a polite laugh Tra la la ha ha

कखनो काल एकटा घटोत्कच हँसी. मुहाहाहाहाहाहा Sometimes a Ghatotkacha* laugh

MUHAHAHAHAHA

आ बम फटबा सन हँसी तखन बहराइत छल टी. सुन्दरी सँ जखन ओ हँसी रोकबाक प्रयास करैत छलि...
ब्रूमऽऽऽऽऽ ब्राऽऽऽऽऽऽम रऽऽऽफराहाहाहाऽऽऽऽ
Sometimes, when T. Sundaritried really hard to suppressher laughter, it would burstout of her like a bomb.



* भारतीय महाकाव्य महाभारतमे घटोत्कच एकटा विशाल आ शक्तिशाली राक्षस अछि- भयंकर आ गुंजायमान हँसी हँसयबला|*In the Indian epic, Mahabharata, Ghatotkacha is a huge and powerful rakshasa with a loud and rumbling laugh.

टी. सुन्दरी चिन्तित छलि। ओकरा सङ किछु गलत छै की? ओ अपन हँसी किए नै रोकि पाबैत अछि? ओकरा ऐ लेल किछु करबाक चाही।
अपन मुँहमे रुमाल ठुसब सेहो काज नै केलकै। ई ओकर मुँहसँ बहरा गेलै जखन ऐबेर ओकरा हँसी छुटलै।

T. Sundari was worried. Was there something wrong with her? Why couldn’t she stop laughing? She needed to do something.

Stuffing a hanky in her mouth didn’t help.

It just popped out of her mouth when she laughed



टी. सुन्दरी एकटा सूची बनेलक जैसँ ओकरा हँसी लागै छलै: T. Sundari made a list of things she found funny:



पदनाइ 1. Farts



वाशरूमक हास्य-कणिका
2. Toilet jokes

"बोण्डा" शब्द
3. The word bonda



केराका सोहल फेकल
खोंइचापर लोकक खसब 4.
People slipping
on banana peels



गुदगुद्दी 5. Tickling



"ऐ सभ गप पर आइसँ हम नै हँसब," टी. सुन्दरी प्रण लेलक “I will make sure I never laugh at these again,” decided T. Sundari.





अगिला दिन लाइब्रेरीमे पी. मणीगांतन पोथीक अलमीराक पाछाँ गेल आ ई ध्वनि टी. सुन्दरीक बगलमे छोड़लक। टी. सुन्दरी पदनाइ बुझैत छलि आ ई सुनिते ओकर सूचीमे रहलाक बादो ओकरा हँसी लागि गेलै।

ऐसँ काज नै चलत। आब दोसर प्लान बनबऽ पड़त।

Next day, during library,
P. Manigantan moved behind a bookcase and let out a delicate sound right next to T. Sundari.
T. Sundari, who knew a fart when she heard one, erupted in laughter, forgetting all about her list!

This was not going to work. It was time for plan B.

टी सुन्दरीक पैघ भाय आ वैज्ञानिक स्कन्दू अन्ना छल ओकर दोसर प्लान। ओ कोनो मशीनक आविष्कार करय जइसँ ओकराँ हँसीसँ त्राण भेटय।

जखन स्कन्दु अन्ना अपन बहिन टी.सुन्दरीक समस्या सुनलक तँ ओना तँ ओ गंभीर रहैत छल मुदा ई सुनि ओकरा जोरसँ हँसी छुटलै। Skandu Anna, T. Sundari's older brother and a scientist, was plan B. Maybe he could invent a machine that could stop her from laughing?

When T. Sundari told him what was bothering her, Skandu Anna, who was usually the serious sort, burst out laughing.





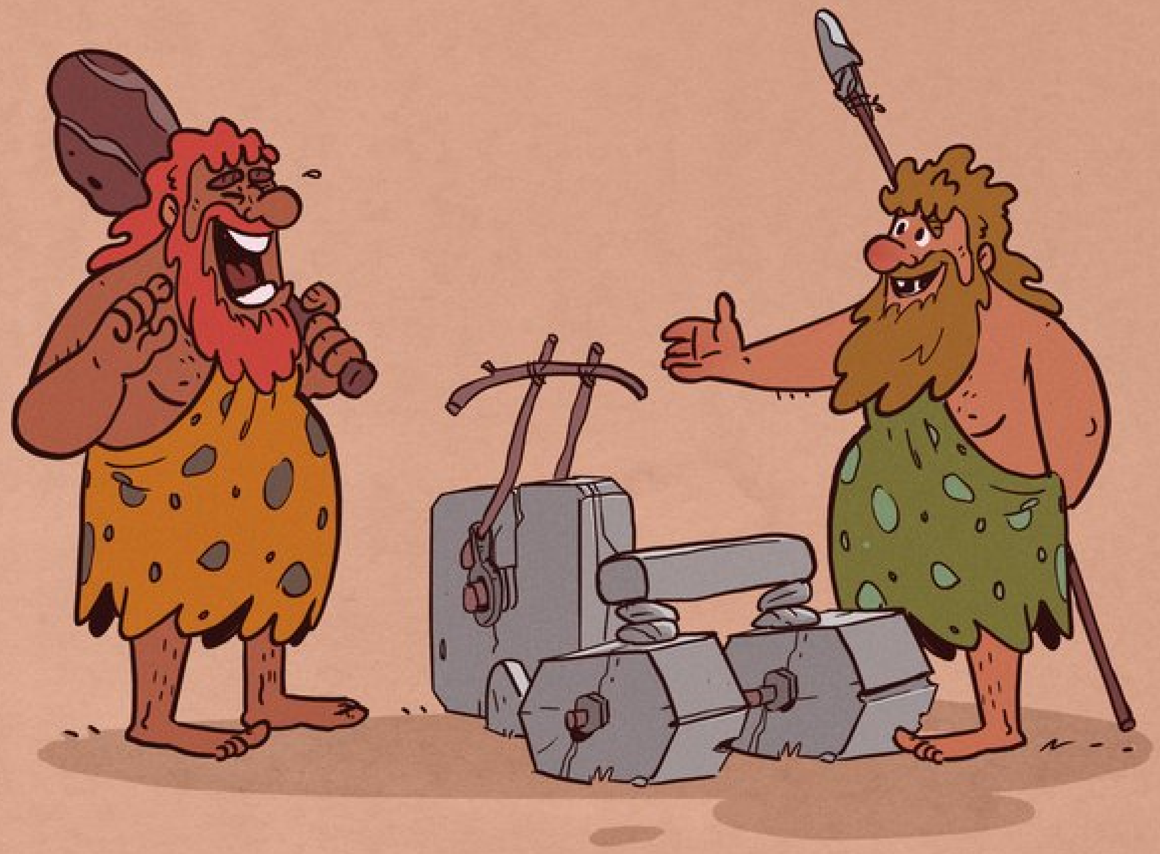
टी. सुन्दरीकेँ भेलै जे हँसब तँ ओकर पारिवारिक समस्या तँ नै अछि? की ओकरा सभकेँ हँसबाक ई बीमारी तँ नै छै?

नै, स्कन्दू अन्ना बाजल।
"टी. सुन्दरी, कोनो हँसी लगबाक विषयपर हँसब कोनो बीमारी नै भेल। हँ, किछु गोटेकेँ कने बेशी हँसी लागैत छन्हि, मुदा से सामान्य गप भेल।"
T. Sundari wondered if this was
a family problem.
Did they all have the same
laughing disease?
No, Skandu Anna explained.
“T. Sundari, it’s very normal for
human beings to laugh when
they find something funny. Some people
laugh more than
others and that is fine.”



"सच्चे? टी. सुन्दरी बाजलि, जकरा सभ कहै छलै जे ओ बेशी हँसैत अछि।
" हँ, ओना हँसब स्वास्थ्य लेल नीक अछि। " स्कन्दू अन्ना ओकरा आर नीकसँ बुझेलक।
"ऐसँ किछु रसायन बहराइत अछि जइसँ लोक प्रसन्न रहैत अछि।" “Really?” said T. Sundari, who had always been told she laughed too much.
“Yes, in fact, laughter is good for health,” Skandu Anna reassured her.
“It releases chemicals that bring us joy.”

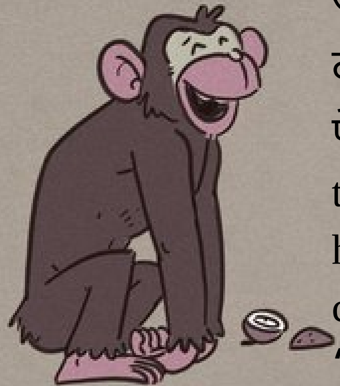
"की अहाँकेँ बूझल अछि जे पुरातन लोक सेहो हँसैत छलाह?" अन्ना टी. सुन्दरीसँ पुछलक। टी. सुन्दरी एकटा पैघ दाढ़ी आ ठेंगाबला लोकक कल्पना केलक जे ओकरे सन चित्रकलाक वर्गमे हँसैत छल।
"हँ" अन्ना बाजल " मनुक्खक उपरका खाढ़ी भाषाक ज्ञानक बहुत पहिनहियेसँ हँसैत छला। ऐसँ ओ एक-दोसराकेँ कहैत छला जे ओ सभ ठीक छथि।" “Did you know even early humans laughed?” Anna asked her. T. Sundari imagined a man with a large beard and big club giggling like her in drawing class. “Yes,” said Anna, “Human ancestors were laughing long before they had language. It was their way of telling each other that everything was okay.”



"अखन हम हँसि कऽ दोसराकेँ देखबै छी जे हम हुनका पसिन्न करैत छी बा हम प्रसन्न छी। दोसरजानवर सेहो हँसि सकैत छथि टी. सुन्दरी।
"जेना चिम्पान्जी, बोनोबो, मूस, सौंस आ कुकुड़ सेहो!" अन्ना ओकरा कहलक।

टी. सुन्दरीकेँ ओकर पोसा कुकुड़ मुथु मोन पड़लै आ ओकरा फेर हँसी लागि गेलै। “Today, we laugh to show others that we like them or to express our happiness. Other animal species can laugh too, T. Sundari.
“Like chimpanzees, bonobos, rats, dolphins and even dogs!” Anna told her.

The thought of her pet dog Muthu laughing set T. Sundari off again.





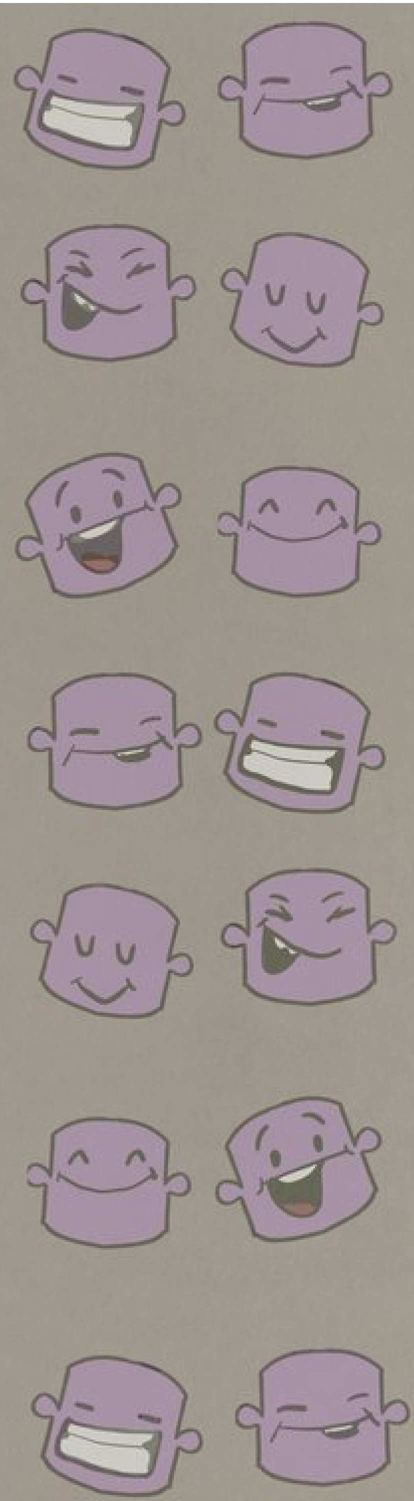


जखन ओकर हँसी बन्द भेलै अन्ना बाजल- " टी. सुन्दरी, अहाँकेँ बूझल भेल जे अखने अहाँ एकटा व्यायाम केलौं?"
"केना अन्ना? हम तँ पूरा काल गपे करैत छलौं?"
"जखन कखनो कनियो अहाँ हँसैत छी अहाँक मुँहक माँसपेशीकेँ काज करऽ पड़ैत छै, आ जखन कखनो अहाँ कनी बा बेशी हँसैत छी अहाँक मुँहक व्यायाम भऽ जाइत अछि," अन्ना ओकरा कहलक।
"ओह", टी. सुन्दरी बाजलि, "तखन हमर मुँहमे सेहो बाँहि सन मांसपेशी हेतै?" When the laughter finally subsided, Anna said, “Do you know you just exercised, T. Sundari?”
“How, Anna? We were talking the whole time.”
“Whenever you smile even a little, the muscles of your face get to work. So each time you giggle or laugh, it’s a complete workout for your face,” Anna told her.
“Ooh,” said T. Sundari, “will my cheeks have biceps then?”



अन्ना मुस्की देलक- "नै, से तँ अहाँक बाँहियेटा मे भेटत, मुदा जखन अहाँ हँसैत छी तखन तखन अहाँक मुँहक जाइगोमाटिकस मेजर आ माइनर माँसपेशी अहाँक मुँहक हँसीक भावकेँ ऊपर आ बाहर दिशि लऽ जाइत अछि।

"मुदा ओ ध्वनिक की जे सुनि आनो हसँऽ लागैत छथि?"
"से जखन अहाँ साँस लैत छी तखन वायु अहाँक बजबाक नलीसँ हृदयमे प्रवेश करैत अछि, मुदा हँसबा काल ई थम्हि जाइत अछि आ संगीतमय हा-हा बहराइत अछि, जे रोकलोसँ नै रुकैत अछि-" अन्ना बुझेलक।
Anna smiled, “Not biceps, no. Those are in your arms. But whenever you laugh, the zygomaticus major and minor muscles in your face help pull your expression upwards and outwards in a smile.”
“But what about the sound? That makes others laugh too,” said T. Sundari.
“So when you breathe, air passes through your vocal cords into your lungs. But when you laugh, the air is held back, leading to those rhythmic ‘ha-ha-ha’ sounds that you can’t seem to stop,” Anna explained.



"से टी. सुन्दरी, से आब अहाँ बुझलौं जे हँसब एकदम सामान्य गप अछि?
ताधरि जाधरि अहाँ ककरो ठेँस नै पहुँचाबै छी, एकटा नीक हँसीमे कोनो खरापी नै।"
टी. सुन्दरीकेँ ई गप खूब नीक लगलै।

"So, T. Sundari, you understand that laughter is perfectly natural?
"So long as you're not hurting anyone's feelings, there's nothing wrong with a good laugh."
T. Sundari felt so much better.









"आब मोटामोटी चाहक समै भऽ गेल। हम बोण्डा ली तखन?" स्कन्दू अन्ना सभटा बुझितो जे तकर बाद की हेतै, ई बाजल।
टी. सुन्दरी हँसब नै रोकि सकलि।
तकर बादो जखन बोण्डा ओकर पेटमे छलै। "It's almost tea time. Shall we have a bonda then?" said Skandu Anna, knowing perfectly well what would happen next.
T. Sundari couldn't stop laughing.
Not even after the bonda was in her belly.



की अहाँ ऐ सभ तरहक हँसी हँसि सकैत छी?

घटोत्कच: मु हा हा हा हा
बम हँसी: ब्रुम... भ्राम.. म्हरऽऽऽऽपऽऽऽऽबऽऽऽटऽऽऽऽअऽऽऽऽआऽऽऽऽअहाहऽऽऽऽ
वडनापली पश्चिमम प्रेतनीक हँसी: ई ही ही ही
कठहँसी: गेहेहेहेहे
गुड़गुड़ हँसी: ग्लूग्लूगोग्ल्लूग्लाहहाह्हाऽऽऽ
फुसियाहींक हँसी: टीहीही..... **Can you do all these laughs?**

Ghatotkacha - **MU HA HA HA HA**

Bomb Laugh - **mhrrrrppppbbhtttttttAAAHAHAHAHAHAHAH**

Witch of Wadanapalli West - ***ee hee heee heee***

Giggle - **gehehehehe**

Gargle - **gluglguggluggl ahahahah**

Fake Laugh - **teeheehee**



Story Attribution:

This story: बचिया जे अपन हँसी नै रोकि सकैत छलि The Girl Who Could Not Stop Laughing is translated by Gajendra Thakur . The © for this translation lies with Gajendra Thakur, 2022. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'The Girl Who Could Not Stop Laughing', by Meera Ganapathi . © Pratham Books , 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Images Attributions:

Cover page: Girl laughing at her food, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Teacher with students in a classroom, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Student standing in a classroom, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Angry man and a school girl , by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Girl laughing , by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Two children swinging on a gate, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Laughing girl, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Girl laughing and pointing at something, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Girl in shock, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 11: Series of activities, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Images Attributions:

Page 12: Girl working at her table, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Boy and girl reading, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: A girl and a man in a lab, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Man putting on a coat, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Girl looking at a poster, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Two men laughing at a primitive looking vehicle , by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Group of laughing animals, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Man and little girl reading a book, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: different kinds of laughter backdrop, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: Man carrying a girl piggyback, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: Man and a girl talking about food, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 23: Girl wiggling with laughter, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

बचिया जे अपन हँसी नै रोकि सकैत छलि The Girl Who Could Not Stop Laughing

(Maithili)

सभ दिन टी. सुन्दरीकेँ कोनो समस्या आबि जाइ छै किएक तँ ओकरा बात-बातपर हँसी लगैत छै। ओ अपन मुँह बन्न नै कऽ पबैत अछि। टी. सुन्दरी बूझऽ चाहैत अछि जे ओकरा सङ कोनो समस्या तँ नै छै? किएक तँ जँ से नै छै तखन ओ सदिखन हँसैत रहि सकैत अछि।
Every day T. Sundari gets into trouble because most things make her laugh. She just cannot keep her mouth sealed. T. Sundari wants to know if something is wrong with her. Because if there isn't, she can laugh all the time!

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.